जिसने मरना सिख लिया है जीने का अधिकार उसी को लिरिक्स

जिसने मरना सिख लिया है,
जीने का अधिकार उसी को,
जो काँटों के पथ पर आया,
फूलों का उपहार उसी को,
जीने का अधिकार उसी को।bd।

जिसने गीत सजाये अपने,
तलवारों के झन-झन स्वर पर,
जिसने विप्लव राग अलापे,
रिमझिम गोली के वर्षण पर,
जो बलिदानों का प्रेमी है,
जगती का है प्यार उसी को,
जीने का अधिकार उसी को।bd।

हँस-हँस कर इक मस्ती लेकर,
जिसने सीखा है बलि होना,
अपनी पीड़ा पर मुस्काना,
औरों के कष्टों पर रोना,
जिसने सहना सीख लिया है,
संकट है त्यौहार उसी को,
जीने का अधिकार उसी को।bd।

दुर्गमता लख बीहड़ पथ की,
जो न कभी भी रुका कहीं पर,
अनगिनती आघात सहे पर,
जो न कभी भी झुका कहीं पर,
झुका रहा है मस्तक अपना,
यह सारा संसार उसी को,
जीने का अधिकार उसी को।bd।

जिसने मरना सिख लिया है,
जीने का अधिकार उसी को,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जो काँटों के पथ पर आया,
फूलों का उपहार उसी को,
जीने का अधिकार उसी को।bd।

प्रेषक – विजय गोथरवाल।
9826447996

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com